क्र०स०	स्टेशन	कार्य का वितरण	प्रत्याशित लागत	1990-91 के लिए परिव्यय

'ख' 1991-92 में आरम्भ किए जाने वाले प्रस्तावित कार्य

स्टेशन भवन

1	अनूपपुर	स्टेशन की पुरानी इमारत का बदलाव
2	चम्पा	स्टेशन इमारत का परिवर्धन और परिवर्तन
3	रायगढ़	स्टेशन इमारत के ढांचे में परिवर्तन
4	सतना	स्टेशन इमारत के ढांचे में परिवर्तन
5	गंजबासौदा	स्टेशन की इमारत के अग्रभाग को सुन्दर बनाना
6	इटारसी	स्टेशन इमारत में सुधार

प्लेटफार्म

1	घोड़ा डोंगरी	प्लेटफार्म का विस्तार
2	खंडवा	प्लेटफार्म का विस्तार

टर्मिनल

—कोई नहीं—

उपर्युक्त सूची 1991-92 के लिए रेलों के निर्माण कार्यक्रम में शामिल किये जाने वाले कार्यों की अंतरिम सूची है बशर्ते कि धनराशि उपलब्ध हो।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय तिलहन विकास योजना

2093. **श्रीमती रत्न कुमारी** : क्या **कृषि मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने केन्द्रीय सरकार की सहायता से राष्ट्रीय तिलहन विकास योजना शुरू की थी ; और

(ख) यदि हां, तो मध्य प्रदेश को वांछित किस्म के बीज उपलब्ध कराने के लिये क्या प्रयास किए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) जी, हां।

(ख) भारत सरकार तिलहन उत्पादन कार्यक्रम के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार सहित राज्य सरकारों को 75:25 के आधार पर सहायता दे रही है। 1990-91 के लिये मध्य प्रदेश सरकार के वास्ते 905.39 लाख रुपए की रकम मुहैया की गई है जिसमें से भारत सरकार का हिस्सा 454.04 लाख रुपए है। इसमें से 183.35 लाख रुपए की रकम बीज के लिए सहायता हेतु नियत की गई है। इन कार्यक्रमों

में बीज ग्राम योजना, प्रमाणित बीजों का वितरण, खुदरा बिक्री केन्द्र खोलना तथा बीज मिनिकिटों का वितरण शामिल है।

भारत सरकार भारतीय राज्य फ़ार्म निगम और राष्ट्रीय बीज निगम से आधारी और प्रमाणित बीजों की सप्लाई के जरिए मध्य प्रदेश सहित राज्य सरकारों को मदद देती है। राज्य कृषि विभाग की मांगें पूरी करने की जिम्मेदारी मूल रूप से राज्य बीज निगमों की है। प्रजनक बीज का उत्पादन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की प्रणाली के अन्तर्गत किया जाता है तथा राज्य सरकार को उसका आवंटन आगे और संवर्धन के लिए मुफ्त किया जाता है।

मध्य प्रदेश में "रामतिल" का उत्पादन

2694. **श्रीमती रत्न कुमारी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में आदिवासियों की प्रमुख तिलहन फ़सल "रामतिल" है ;

(ख) इसका कुल कितना उत्पादन होता है और यह फ़सल आदिवासी क्षेत्र में कुल कितनी भूमि में उगाई जाती है ;

(ग) क्या इस फ़सल का समर्थन मूल्य सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है ; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या विदेशों में भी "रामतिल" की मांग है ; यदि हां, तो इसके निर्यात के लिए क्या प्रबंध किए गए हैं; और

(ङ) क्या "रामतिल" के निर्यात की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस फ़सल पर कोई अनुसंधान कार्य किया जा रहा है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्यमंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) और (ख) जी, हां। रामतिल की खेती मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में होती है। 1989-90 के दौरान इस राज्य में रामतिल का क्षेत्र और उत्पादन क्रमशः 2.20 लाख हैक्टेयर है तथा 0.42 लाख मीटरी टन होने का अनुमान है।

(ग) केवल मुख्य तिलहनों अर्थात् मूंगफली, सुरजमुखी, सोयाबीन, तोरिया-सरसों तथा कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा भारत सरकार द्वारा की जाती है। रामतिल एक गौण तिलहन है और इसका उत्पादन भी न्यूनम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत आने वाली तिलहनों की तुलना में नगण्य है इसलिए इसे इस योजना के अन्तर्गत नहीं लाया गया है।

(घ) जी, हां। नई आयात-निर्यात नीति (1990-93) के अनुसार पहली अप्रैल, 1990 से रामतिल का निर्यात भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लि. (नैफ़ेड) तथा भारतीय आदिवासी सहकारी विपणन विकास संघ लि. (ट्राइफ़ेड) के माध्यम से किया जाता है।

(ङ) जी, हां। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तिलहन संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तत्वावधान में रामतिल के सुधार के लिए अनुसंधान कर रहा है।

Procurement of Wheat

2695. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) what target has been fixed with regard to the procurement of wheat by Government and the percentage thereof expected to be achieved;

(b) whether it is a fact that Government agencies have refused to